पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 2, अंक 17 माह - अगस्त 2020, मूल्य - निःशुल्क

॥विचार संस्था॥
(स्थापना वर्ष 2003)

आपके विकास को समर्पित

विशेष :-

- सक्रियता जरूरी
- स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाएं
- बीज से पेड़ योजना
- नर्सरी बैग
- दानदाता
- घर की बगिया
- सैनिटाइजर जल व मास्क
- मीडिया कवरेज

विचार संस्था द्वारा आयोजित 'घर की बगिया' प्रोजेक्ट के तहत मोहल्ला विकास योजना की टीमों के अंतर्गत 5217 परिवारों को बीजों का वितरण किया गया।

देश को संकट से उबारने के लिए सामाजिक कार्यों में सक्रियता जरूरी

कपिल मलैया
संस्थापक, अध्यक्ष
विचार संस्था

सामाजिक कार्य का सीधा मतलब आपका सकारात्मक होकर समाज के उत्थान में योगदान देना होता है। सामाजिक कार्यों के उद्देश्यों में व्यक्तियों की क्षमताओं को विकसित करना, प्रोत्साहित करके उन्हें हर संभव मदद करना होता है जिससे वे समाज में सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकने में सक्षम हो सके। सामाजिक कार्यकर्ता जो समाज में परिवर्तन का होना महसूस करते हैं समाज में घटित घटना पर पैनी नजर रखते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता को निष्पक्ष और निर्भीक होना बेहद जरूरी है। समाजसेवी निर्भीक होगा तभी समाज में फैली कुरीतियों को दूर कर सकेगा। मौजूदा हालातों में कोरोना महामारी के संकट भरे दौर में सक्षम, प्रबुद्धजन सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। जरूरतमंदों की अलग-अलग माध्यमों से मदद कर सकते हैं।

1. हमारा मोहल्ला हमारा सहयोग- आज मोहल्ले में कुछ परिवारों में आर्थिक स्थिति बिगड़ने से राशन भोजन की कमी एवं जरूरी खर्चो के लिए पैसों की कमी हो रही है। मोहल्ला टीम ऐसे परिवारों का पता करें एवं मोहल्ले के संपन्न लोग मिलकर उन परिवारों को राशन व धन की मदद करें। ऐसा करते हुए उन परिवारों के स्वाभिमान का पूरा ध्यान रखा जाए। ऐसी मदद करना ही इस समय ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा अर्चना है। हर मोहल्ले में उत्साही युवा मोहल्ला केंद्र बनाकर कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कर सकते हैं ।इसमें साधन संपन्न परिवारों का सहयोग लेकर निर्धन परिवारों तक विभिन्न प्रकार की मदद पहुंचा सकते हैं। प्रत्येक मोहल्ले में चुनी हुई टीम के द्वारा सार्वजनिक खाता खोलकर मोहल्ले से धनराशि एकत्रित कर जमा की जा सकती है जिससे समय पड़ने पर जरूरतमंद परिवारों की मदद की जाए। सरकार की तरफ से दी जा रही तमाम सुविधाओं की जानकारी इस मोहल्ला केंद्र में उपलब्ध होगी। साथ ही योजनाओं में किसी परिवर्तन की सूचना इस केंद्र में तत्काल उपलब्ध हो जाएगी। नई सरकारी योजनाओं की सटीक व स्पष्ट जानकारी तुरंत इस केंद्र पर मिल जाएगी। मध्यम वर्ग के कई लोगों में इस समय तनाव व अवसाद (Depression) की समस्याएं आ रही है। इसमें यह केंद्र समझाइश के

द्वारा बहुत लोगों का मनोबल बढ़ाएंगे। मोहल्ला स्तर पर लोग चर्चा कर मोहल्ले की जरूरतों के हिसाब से रोजगार पैदा कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर इकट्ठे होकर सरकार से मोहल्ला विकास के कार्य करवा सकते हैं। मोहल्ले के कई बुजुर्ग अपने आप को अकेला महसूस करते हैं। वह इस केंद्र में समय बिता सकते हैं एवं अपने अनुभव का उपयोग समाज विकास के लिए कर सकते हैं। यह मोहल्ला केंद्र महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका भी देगा। महिलायें कई हस्त कलाएं घरों पर करती है जैसे चित्रकारी, कपड़े रंगना, रुमाल सजाना, नए-नए व्यंजन इत्यादि। इनकी प्रदर्शनी व प्रतियोगिता मोहल्ला केंद्र पर लगाई जा सकती है। पर्व त्यौहार को सभी लोग अभी अपने तरीके से मनाते हैं। मोहल्ला केंद्र पर अच्छे से प्लान कर लोग मिलकर ज्यादा अच्छे तरीके से त्यौहार को मना सकते हैं। सामूहिकता में ही त्यौहार का आनंद होता है। जैसे होली, राखी। इस तरह यह मोहल्ला केंद्र पूरे मोहल्ले के सर्वांगीण विकास में प्रभावी सहयोग कर सकता है।

2. पर्यावरण - आज के समय में समस्याओं का बड़ा कारण हम सबका प्रकृति से दूरी बना लेना है। इसलिए आज हमें समय निकालकर परिवार के साथ खुले वातावरण में घूमना, योग, व्यायाम करना जरूरी हो गया है। साथ ही पेड़ पौधे लगाना हमारी आदत में होना चाहिए। हर विशेष मौके जैसे जन्मदिन, वर्षगांठ को यादगार बनाने उस अवसर पर एक पेड़ अवश्य लगाएं।

उसके साथ एक नाम पट्टिका भी लगाएं एवं इस पेड़ को पूरी जिम्मेदारी से बड़ा करें । सागर शहर में लगभग 6 लाख लोग रहते हैं अगर प्रत्येक व्यक्ति साल में एक पेड़ लगाए तो प्रत्येक वर्ष 6 लाख पेड़ लगेंगे। इसी तरह प्रत्येक मध्यप्रदेश वासी अगर एक पेड़ लगाए तो प्रदेश में प्रतिवर्ष 6 करोड़ पेड़ लगेंगे । इसी तरह देश में प्रतिवर्ष 130 करोड़ पेड़ लग सकते हैं। आपकी विचार संस्था घर की बगिया एवं बीज से पेड़ प्रोजेक्ट के द्वारा इस कोरोना काल के समय में पर्यावरण जागरूकता की अलख जगा रही है। बीज से पेड़ प्रोजेक्ट में जो आप फलदार पेड़ बड़ा करेंगे उसे हम अगले वर्ष आपके नाम से चिन्हित जगह में लगाएंगे।

3. गौपालन - पर्यावरण सुधार, स्वास्थ्य व प्राकृतिक खेती के लिए घर पर देशी नस्ल की गाय रखना बहुत लाभकारी है । देशी गाय से हमें शुद्ध दूध, मक्खन व घी घर में ही उपलब्ध हो जाता है थोड़ी मात्रा में ताजे गोमूत्र का सेवन भी बहुत लाभकारी होता है। इन सभी सुझावों को हमें कोरोना बचाव व सुरक्षा का ध्यान रखते हुए लागू करना है। भारत देश में जब भी संकटकाल आया है तब-तब हम सभी देशवासियों ने एकता का परिचय देकर देश को बुरे दौर से बाहर निकाला है, वह वक्त फिर हमारे सामने खड़ा है जहां हम सब को एकता के सूत्र में बंधकर कोरोना का सामना करने प्रतिबद्ध होना पड़ेगा।

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाएं

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
विचार संस्था

हमारे भारत देश में हर साल स्वतंत्रता दिवस भव्यता, हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस साल भी स्वतंत्रता दिवस को अवसर के अनुकूल लगने वाले तरीके से मनाया जाएगा। देश में कोरोना वायरस का कहर लगातार बड़ता जा रहा है। कोरोना के साए में ही स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने की तैयारी शुरू हो गई हैं। देश में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाएगा उसके लिए गृह मंत्रालय ने गाइडलाइन भी जारी कर दी है। स्वतंत्रता दिवस पर भीड़ इकट्ठा न हो इसका भी ख्याल रखा जाएगा। मास्क लगाना, सैनिटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जरूरी होगा। इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पहले से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना भी जरूरी होगा। हम भारतवासी कोरोना संकट काल में स्वतंत्रता दिवस पर्व को अपने घरों पर अलग-अलग तरीकों से मना सकते हैं।

1. अपने घर पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान करें।

2.घर में आजादी से जुड़ी किताबें पढ़ें। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने मिलकर किस तरह आजादी दिलाई जैसे विषयों की किताबें पड़कर अपनी यादों को ताजा कर सकते हैं।

3. देशभक्ति से जुड़ी फिल्म देख सकते हैं। ऐसीं कई फिल्में बन चुकी हैं जिनमें आजादी के आंदोलन को बड़ी खूबसूरती से दिखाया गया है।

4.युवा पीढ़ी अपने मोबाइल पर स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित यूट्यूब चैनल, वीडियो आदि सर्च करें।

5. स्वंत्रता दिवस पर पतंग उड़ाकर खुशी मना सकते हैं। ऐसें माहौल में जब पतंगे ही पतंगें आसपास होगीं तो अपनों के साथ होने का एक

अलग ही अहसास देखने को मिलेगा।

6. इस दिन को यादगार बनाने के लिए घर पर विशेष व्यंजन जैसे ट्राईकलर लंच बनाएं। जिसके लिए बनाये गए भोजन में तिरंगे के तीनों रंग दिखाई दें।

7. अपने परिवार के साथ स्वंतत्रता दिवस के रोचक विषयों पर संवाद कर सकते हैं। बच्चों को भारत के स्वतंत्रता मिलने पर हमारे पूर्वजों की कुर्बानियों और संघर्षों के इतिहास को साझा कर सकते हैं जिससे हमारी भावी पीड़ी इसको आत्मसात करते हुए आंगे बड़ने में और सहयोग कर सकती है।

जानकारी के लिए बता दें केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी हुई गाइडलाइन में कहा गया है कि राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस को नौ बजे के बाद मनाया जाए। इस मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री ध्वजारोहण करें, उसके बाद राष्ट्रीय गान, पुलिस, पैरा मिलिट्री, होम गार्ड्स, एनसीसी व स्काउट्स के माध्यम से गार्ड ऑफ ऑनर लिया जाए। केंद्र सरकार ने गाइडलाइन में राज्य सरकारों को बड़ी

संख्या में आने वाली मंडलियों को न बुलाने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालय के आदेश हैं कि अगर कोरोना योद्धाओं को प्रोत्साहित करने के मकसद से उन्हें सम्मानित करना है, तो उन्हें बुलाया जा सकता है। ऐसें में गृह मंत्रालय ने 15 अगस्त को होने वाले सभी राज्य व जिलों को सोशल डिस्टेंस में 15 अगस्त मनाने के निर्देश दिए हैं। विचार संस्था आप सभी देशवासियों, सागर जिलावासियों को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित करती है।

बीज से पेड़ योजना का सागर कलेक्टर ने शुभारंभ किया

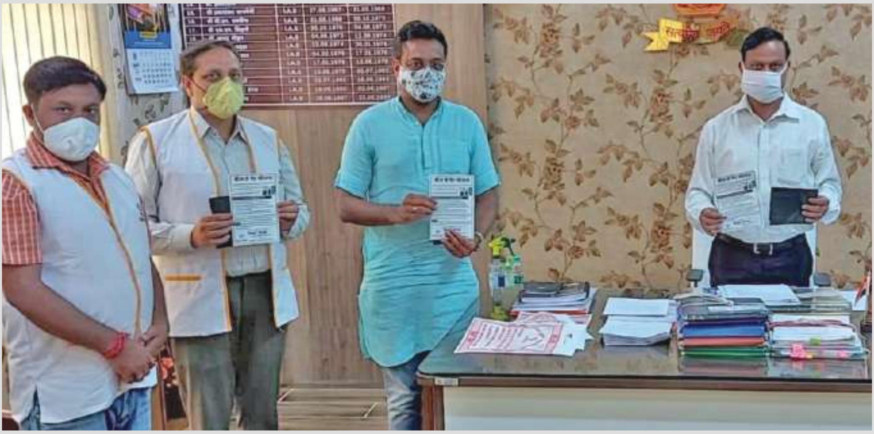

विचार संस्था द्वारा बीज से पेड़ लगाने की योजना का शुभारंभ सागर कलेक्टर दीपक सिंह द्वारा किया गया। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों से निकलने वाले बीजों को एकत्र कर बीज से फल बनाने की योजना पर काम किया जाएगा। विचार संस्था द्वारा विचार सेवकों जिसमें सहायक, समन्वयक, पालक, मोहल्ला परिवारों और सहयोगी संस्थाओं की मदद से घर-घर जाकर नर्सरी बैग उपलब्ध कराया जाएगा। परिवारों को बैग उपलब्ध कराते हुए संस्था द्वारा जानकारी और समझाइश दी जाएगी। बीजों के महत्व को बताया जायेगा। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में बीज लगाने को कहा जायेगा। बीज लगाने की विधि में पॉलीथिन में एक-एक तिहाई मिट्टी, कच्ची खाद और रेत डालने की विधि बताई जाएगी। आम का बीज, जामुन, चीकू, अनार, अमरूद, नींबू, आमला, जैसे फलदार और पीपल, बरगद, कदम, नीम, जैसे पौधों के बीज को लगाने की अपील की जायेगी। संस्था का उद्देश्य इन बीजों से तैयार होने वाले पौधों से होने वाले बृक्षों के द्वारा पर्यावरण के प्रति सीधा संवाद स्थापित करना है। इस तरह की योजना समाज में लोगों को पर्यावरण के प्रति जागृत करेगी। योजना के शुभारंभ में सागर कलेक्टर दीपक सिंह, विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया, मुख्य संघठक नितिन पटैरिया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, सहायक आलोक जैन की उपस्थित रही।

मानवता की रक्षा पेड़-पौधे लगाने से ही संभव : आकांक्षा मलैया

सागर। विचार संस्था द्वारा घर-घर जाकर नर्सरी बैग उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिसका उद्देश्य घरों में उपयोग होने वाले फलों से बृक्ष बनाना है। इसके लिए परिवारों को बैग उपलब्ध कराते हुए संस्था द्वारा जानकारी और समझाइश दी जा रही है। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में लगाने को कहा जा रहा है। बीज लगाने की विधि में पॉलीथिन में एक-एक तिहाई मिट्टी, कच्ची खाद और रेत डालने की विधि बताई जा रही है। जब यह फलदार पेड़ बड़े हो जाएंगे तो 1 वर्ष पश्चात इनका वृक्षारोपण किया जाएगा। आम का बीज, जामुन, चीकू, अनार, अमरूद, नींबू, आमला जैसे फलदार और पीपल, बरगद, कदम, नीम, जैसे पौधों को लगाने की अपील की जा रही है। संस्था द्वारा इस योजना के छठवें दिन भगवान गंज वार्ड, कंपाउंडर का बगीचा गुरु गोविंद सिंह वार्ड, गुजराती बाजार, तिरुपतिपुरम, गल्ला मंडी जाकर 65 परिवारों को नर्सरी बैग के सेट वितरित किए गए। अभी तक संस्था 2566 परिवारों को नर्सरी बैग के सेट का वितरण कर चुकी है।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि स्वयं अपने हाथ से बीज लगाकर पेड़ उगाना एक अलग ही अनुभव होता है।

संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि हर व्यक्ति पेड़ लगाने की इच्छा रखता है परंतु इसे कठिन कार्य समझ कर टालता है जबकि पेड़ लगाना अत्यंत सरल कार्य है। मानवता की रक्षा पेड़-पौधे लगाने से ही संभव है।

संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने सभी परिवारों से पौधे लगाने की अपील की है।

विचार संस्था ने 4736 परिवारों को नर्सरी बैग उपलब्ध कराए

बीज से पेड़ लगाने के लिए दानदाता

रजनी जैन जी आई.टी.आई
दान राशि - 500/-

सौरभ रांधेलिया जी
दान राशि - 500/-

प्रशांत जी गंगवाल
दान राशि - 500/-

प्रीति जैन जी
दान राशि - 500/-

सरिता जैन जी
दान राशि - 1000/-

रामकृष्ण मिश्रा जी
दान राशि - 500/-

महेश जैन तिली जी
दान राशि - 1100/-

ज्योति सराफ जी
दान राशि - 500/-

अर्चना खाद जी
दान राशि -500/-

ज्योति जैन जी
दान राशि -500/-

अनन्य व वृद्धि बजाज जी
दान राशि -5100/-

आप घर में ही खाद भी बना सकते हैं, जिसकी विधि इस प्रकार है :-

- यह खाद मटके, गमले या किसी और डब्बे में बनाई जा सकती है।
- डब्बे में सब्जी के छिलके डालें और दो मुट्ठी मिट्टी से ढक दें।
- अगर आप चाहें तो थोड़ा सा कंडे का टुकड़ा हाथ से पीसकर मिट्टी में मिला दें या ताजा गोबर मिला दें।
- इस प्रकार छिलके व मिट्टी की परत डालते जाएं जब तक डब्बा भर नहीं जाता।
- डब्बे को छाया में रख, उसमें समय-समय पर पानी छिड़ककर नमी बनाये रखें।
- अगर आप चाहें तो इसमें चाय पत्ती भी धोकर दाल सकते हैं।
- 15 दिन में एक बार मिश्रण को चलाएं।
- 1-2 महीने के अंदर आपकी खाद तैयार हो जाएगी।

विचार संस्था द्वारा 'घर की बगिया' प्रोजेक्ट के तहत 5217 परिवारों को बीजों का वितरण

5217 मोहल्ला परिवारों में टमाटर, लौकी, तुरई, भिंडी, करेला आदि बीजों का वितरण किया गया

घर की बगिया लहलहाने लगी

हमारी दैनिक जरुरतों की खाद्य सामग्रियों में सब्जियों का एक विशेष स्थान है। कोरोना काल के चलते संक्रमण को लेकर लोगों के मन मे भय प्याप्त है जिसके चलते बाजारों से मिलने वाली सब्जियों को कम खरीदा जा रहा है इन्ही सब विषयों को ध्यान में रखकर आत्मनिर्भरता को सात्मसात करने के उद्देश्य से विचार संस्था ने घर की बगिया योजना की

उगने लगे पौधा

शुरुआत की जिसे संचालित कर योजना को सफल बनाने में 1 माह से ज्यादा का वक्त लगा, अब यह योजना फलने फूलने लगी है। योजना के संचालन में घर के गमलों, बगिया, आंगन में पौष्टिक कीटनाशक छिड़काव रहित सब्जियों को घर पर उगाने की योजना पर कार्य किया गया इस योजना के अंतर्गत टमाटर, लौकी, तुरई, भिंडी, भटा, करेला, आदि बीजों को मोहल्ला विकास योजना अंतर्गत बनाई टीमों से घर-घर जाकर नि:शुल्क वितरण कराया गया। संस्था द्वारा 42 मोहल्ला टीमों की मदद से 5117 परिवारों को बीजों का वितरण किया गया। योजना का उद्देश्य अपने आंगन, बगिया, गमलों से स्वच्छ और पौष्टिक सब्जियों को उगाना है। उगाने वाली सब्जियों की विधि में संस्था द्वारा बनवाई जैविक खाद के उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही सब्जियों को गमले में उगाने हेतु एक तिहाई रेत, एक तिहाई मिट्टी , खाद डालकर बीज को लगाने की विधि बताई गई। बीज लगाने के लिए संस्था के सदस्यों की मदद समय समय पर ली जाती रही है। घर की बगिया योजना के क्रियान्वयन के लिये, दिये गये बीज के बाद परिवार के सदस्यों के नाम, फोन नम्बर लिख जाते हैं जहां उन परिवारों द्वारा उगाये पौधों पर संस्था द्वारा नजर रखी जा रही है। योजना को लेकर वर्तमान गतिविधियों पर नजर दौड़ायें तो घर मे लगाए इन बीजों ने बड़ी-बड़ी बेलों का रूप ले लिया है, बेलों में फूल लगना शुरू हो गए हैं, आने वाले एक से दो हफ्तों में फल लगना शुरू हो जाएंगे जिसके द्वारा 5 हजार से ज्यादा घरों में कीटनाशक और संक्रमित रहित सब्जियों उगाने की विचार संस्था की मुहिम सफल हो जाएगी।

विचार संस्था ने 11225 लीटर सैनिटाइजर जल और 3140 मास्क, 1911 राशन किट वितरित किए

सागर। विचार संस्था नगरवासियों की सुरक्षा के लिए अपने अथक प्रयास जारी रखे हुए है। विचार संस्था सैनिटाइजर जल का निर्माण कर मोहल्लों, वार्डों में जाकर घर-घर वितरित कर रही है। सैनिटाइजर जल का निर्माण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया द्वारा किया जा रहा है। यह वर्ल्ड वेस्ट सैनिटाइजर है जो जापान की कंपनी एनिजिक की मशीन है, जिसकी कीमत 4 लाख 50 हजार है, इसका नाम केंगीन वाटर है। इसमें से 2.5 पी.एच. वाटर निकलता है, जिसमें कोई भी बैक्टीरिया, वायरल या जीवाणु, सर्वाइज नही कर पाता है। विचार संस्था 30 जुलाई तक 11225 लीटर सैनिटाइजर जल व 3140 मास्क एवं कोरोना से वचाव होम्योपैथिक दवाई की की 625 शीशी का वितरण कर चुकी है।

विचार संस्था ने 48 मंदिरों में 1740 लीटर सैनिटाइजर जल वितरित किया

मंदिरों में सैनिटाइजर जल की सूची

क्र	मंदिर का नाम व स्थान	सैनिटाइजर जल (लीटर में)
1	श्री सिद्ध धाम पहलवान बाबा मंदिर, सागर	20
2	श्री दादा दरबार हनुमान मंदिर, एकता कॉलोनी सागर	20
3	श्री राम दरबार मंदिर, सागर	20
4	श्री शनिदेव मंदिर, सागर	20
5	श्री भूतेश्वर धाम मंदिर, सागर	70
6	श्री हनुमान मंदिर खुरई रोड, सागर	30
7	श्री हनुमान परेड मंदिर, सागर	50
8	श्री देवी जी मंदिर अवधूत आश्रम रजाखेड़ी मकरोनिया	30
9	श्री हनुमान मंदिर कठवापुल, सागर	20
10	श्री शनिदेव मंदिर कबुलापुल, सागर	50
11	श्री मंशापूर्ण बालाजी मंदिर (मेंहदीपुरा बालाजी), सागर	50
12	श्री राम दरबार मंदिर, धर्मश्री सागर	25
13	श्री राधा कृष्ण मंदिर, धर्मश्री सागर	25
14	श्री देव हनुमान मंदिर (कांच मंदिर), सिविल लाइन	50
15	श्री दुर्गा भैरव धाम, सागर	50
16	श्री शिवशक्ति धाम बड़े शंकर जी बहेरिया, सागर	70
17	श्री अय्यप्पा मंदिर रजाखेड़ी मकरोनिया, सागर	30
18	माँ सिद्धिदात्री धाम यूनिवर्सिटी, सागर	40
19	श्री गायत्री शक्ति पीठ गोपालगंज, सागर	40
20	श्री राम मारुती धाम हनुमान मंदिर लेहद्रानाका, सागर	40
21	श्री गुप्तेश्वर धाम परकोटा, सागर	40
22	ठाकुर बाबा मंदिर खुरई रोड, सागर	40
23	श्री जानकी रमण मंदिर, सागर	20
24	श्री कामना सिद्ध हनुमान मंदिर भाग्योदय नगर, सागर	40
25	श्री सिद्धिविनायक राधा कृष्ण मंदिर चौपड़ाधाम, सागर	40
26	माँ शारदा देवी मंदिर सेमराबाग मकरोनिया, सागर	40
27	माँ महाकाली बड़ी देवी मंदिर सदर, सागर	20
28	श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर मोहल्ला-1 कछयाना सदर, सागर	40
29	श्री राम दरबार हनुमान मंदिर रेल्वे स्टेशन, सागर	40
30	श्री शिव शक्ति सिद्धेश्वर कुबेर धाम बाईसा मुहाल	40
31	श्री भोले शंकर धाम बड़े शंकर जी खुरई रोड, सागर	50
32	श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बालक हिलव्यू	40
33	श्री देव ब्रहस्पति भगवान मंदिर पुरानी पुलिस लाइन लक्ष्मीपुरा	40
34	श्री सिद्धबाबा धाम, मकरोनिया	40
35	श्री माता दरबार वेयरहाउस के सामने, गोपालगंज	40
36	श्री देव धनुर्धारी मंदिर, चकराघाट	20
37	श्री बीजासेन देवी मंदिर, राजीव गाँधी पार्क	40
38	श्री संकटहरण हनुमान मंदिर, झासी रोड सदर	40
39	श्री दुर्गा माता मंदिर, पुरानी सदर	40
40	श्री जैन मंदिर मकरोनिया	30
41	श्री हनुमान मंदिर, लहद्रानाका, राजीव नगर वार्ड	40
42	श्री 1008 दिगंबर जैन गोदरे मंदिर	25
43	श्री भोलेनाथ मंदिर, धर्मश्री तिगड्डा	35
44	श्री तीन मढिया माता मंदिर, ग्राम आमावनी	30
45	श्री चंद्रेश्वर शिव मंदिर, वृन्दावन वार्ड	30
46	श्री हनुमान मंदिर, तहसीली	30
47	श्री नवदुर्गा देवी मंदिर, भाग्योदय नगर कॉलोनी	30
48	श्री गुरुनानक मंदिर ट्रस्ट, 5 सिविल लाइन	30
	कुल सैनिटाइजर जल (लीटर में)	1740

बीज से पेड़ योजना

हम फलों का आनंद लेने के पश्चात उनके बीजों को बाकी कचरे के साथ ही फेंक देते हैं। आइए हम इस बीज से एक पेड़ उगाकर पर्यावरण को भेंट करें एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए यह संपत्ति छोड़कर जाएं। बीज से पेड़ योजना में विचार संस्था के साथ मिलकर आपके पास इस कार्य को करने का एक बेहतरीन मौका है।

इस योजना का भाग बनने के लिए आपको यह करना होगा :-

- आप घर में जो भी सबसे अच्छे फल खाएं उनके बीज उपयोग करें।
- इस बीज को आप घर पर ही विचार द्वारा दी गई काली पॉलिथीन में लगा दे।
- पॉलीथीन में एक तिहाई मिट्टी, एक तिहाई पचि हुई खाद एवं एक तिहाई रेत डालें।
- बड़े बीज जैसे कि आम की गुठली आदि को आप 3 इंच अंदर गाड़ें और छोटे नींबू के बीज आदि को 1 इंच अंदर गाड़ें।
- इसे तेज धुप एवं अधिक वर्षा से बचाने के लिए किसी छायादार स्थान पर रखें।
- इसके लिए आप बोरे या बड़े पॉलिथीन को बांधकर भी छायादार स्थान बना सकते हैं।

पेड़ के थोड़ा बड़े हो जाने पर अगले वर्ष संस्था की मदद से आप इसे किसी ऐसे स्थान पर जाकर लगा सकते हैं जहां वह अनुकूल वातावरण पाकर संस्था के संरक्षण में आने वाली पीढ़ियों तक फले फूलेगा। आपके द्वारा लगाए गए ऐसे हर पेड़ के समक्ष संस्था द्वारा आपके नाम की तख्ती लगाई जाएगी।

विशेष :- विचार द्वारा दी गई पॉलिथीन के अलावा अगर आप और ज्यादा पेड़ लगाना चाहते हैं तो किसी भी अन्य बची हुई बोतल, दूध की थैली या पॉलीथीन मैं नीचे की ओर छोटे-छोटे छेद करके भी आप बीज का रोपण कर सकते हैं।

: निवेदक :

विचार संस्था

स्थान : मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
सागर (म.प्र.)

हेल्पलाइन नं. : 6262060333, 9009780042

विचार संस्था
(स्थापना वर्ष 2003)

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर
सागर 18-07-2020

बीज से पेड़ लगाने की योजना का शुभारंभ, लोगों से अपील फलों के बीज एकत्र कर रोपें

सागर | विचार संस्था द्वारा बीज से पेड़ लगाने की योजना का शुभारंभ कलेक्टर दीपक सिंह ने किया। इसके तहत घरों में फलों से निकलने वाले बीजों को एकत्र कर बीज से फल बनाने की योजना पर काम किया जाएगा। संस्था द्वारा विचार सेवकों और सहयोगी संस्थाओं की मदद से घर-घर जाकर नर्सरी बैग उपलब्ध कराया जाएगा। जिसके तहत फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में बीज लगाने को कहा जाएगा। बीज लगाने की विधि में पॉलीथिन में एक-एक तिहाई मिट्टी, कच्ची खाद और रेत डालने की विधि बताई जाएगी। शुभारंभ में संस्था के संस्थापक कपिल मलैया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, सहायक आलोक जैन, दिनेश मलैया, वर्धमान मलैया आदि मौजूद थे।

अतुल्य भास्कर सागर, शनिवार 18 जुलाई 2020

बीज से पेड़ योजना का सागर कलेक्टर ने किया शुभारंभ

अतुल्य भास्कर, सागर। विचार संस्था द्वारा 'बीज से पेड़ लगाने' की योजना का शुभारंभ सागर कलेक्टर दीपक सिंह द्वारा किया गया। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों से निकलने वाले बीजों को एकत्र कर बीज से फल बनाने की योजना पर काम किया जाएगा। विचार संस्था द्वारा विचार सेवकों जिसमें सहायक, समन्वयक, पालक, मोहल्ला परिवारों और सहयोगी संस्थाओं की मदद से घर-घर जाकर नर्सरी बैग उपलब्ध कराया जाएगा। परिवारों को बैग उपलब्ध कराते हुए संस्था द्वारा जानकारी और समझाइश दी जाएगी। बीजों के महत्व को बताया जायेगा। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में बीज लगाने को कहा जायेगा। बीज लगाने की विधि में पॉलीथिन में एक-एक तिहाई मिट्टी, कच्ची खाद और रेत डालने की विधि बताई जाएगी। आम का बीज, जामुन, चीकू, अनार, अमरूद, नींबू, आंवला, जैसे फलदार और पीपल, बरगद, कदम, नीम, जैसे पौधों के बीज को लगाने की अपील की जायेगी। संस्था का उद्देश्य इन बीजों से तैयार होने वाले पौधों से होने वाले वृक्षों के द्वारा पर्यावरण के प्रति सीधा संवाद स्थापित करना है। इस तरह की योजना समाज मे लोगों को पर्यावरण के प्रति जागृत करेगी।

सागर सिटी
नवदुनिया शनिवार 18 जुलाई 2020

बीज से पेड़ योजना की कलेक्टर ने की शुरुआत

सागर। विचार संस्था द्वारा बीज से पेड़ लगाने की योजना का शुक्रवार को सागर कलेक्टर दीपक सिंह द्वारा शुभारंभ किया गया। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों से निकलने वाले

बीजों को एकत्र कर बीज से फल बनाने की योजना पर काम किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में बीज लगाने को कहा जाएगा। इस दौरान विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया, मुख्य संघटक नितिन पटैरिया, मीडिया प्रभारी अखिल समैया, सहायक आलोक जैन की उपस्थित रहे। -नप्र

प्रदेश टुडे
सागर, शनिवार, 18 जुलाई 2020

'बीज से पेड़ योजना' का सागर कलेक्टर ने किया शुभारंभ

सागर। विचार संस्था द्वारा 'बीज से पेड़ लगाने' की योजना का शुभारंभ सागर कलेक्टर दीपक सिंह द्वारा किया गया। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों से निकलने वाले बीजों को एकत्र कर बीज से फल बनाने की योजना पर काम किया जाएगा। विचार संस्था द्वारा विचार सेवकों, जिसमें सहायक, समन्वयक, पालक, मोहल्ला परिवारों और सहयोगी संस्थाओं की मदद से घर-घर जाकर नर्सरी बैग उपलब्ध कराया जाएगा। परिवारों को बैग उपलब्ध कराते हुए संस्था द्वारा जानकारी और समझाईश दी जाएगी। बीजों के महत्व को बताया जायेगा। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में बीज लगाने को कहा जायेगा। बीज लगाने की विधि में पॉलीथिन में एक-एक तिहाई मिट्टी, कच्ची खाद और रेत डालने की विधि बताई जाएंगी। आम का बीज, जामुन, चीकू, अनार, अमरूद, नींबू, आमला, जैसे फलदार और पीपल, बरगद, कदम, नीम, जैसे पौधों के बीज को लगाने की अपील की जायेगी। संस्था का उद्देश्य इन बीजों से तैयार होने वाले पौधों से होने वाले वृक्षों के द्वारा पर्यावरण के प्रति सीधा संवाद स्थापित करना है। इस तरह की योजना समाज मे लोगों को पर्यावरण के प्रति जागृत करेगी। योजना के शुभारंभ में सागर कलेक्टर दीपक सिंह, विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया, मुख्य संघठक नितिन पटैरिया, मीडिया प्रभारी अखिल समैया, सहायक आलोक जैन की उपस्थित रही।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 09-07-2020

"घर की बगिया' प्रोजेक्ट के तहत सब्जी के बीज वितरण किए

सागर | विचार संस्था ने विचार सहायक एवं सहायक मंडल के 160 परिवारों में प्रोजेक्ट 'घर की बगिया' के तहत टमाटर, लौकी, तुरई, भिंडी, करेला आदि बीजों का वितरण किया। विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने सब्जियों को उगाने व कम समय में अधिक उपज पाने के लिए गमले में एक तिहाई रेत, एक तिहाई मिट्टी और एक तिहाई खाद डालकर बीज लगाने की विधि बताई। संस्था अभी तक 42 मोहल्ला टीमों में 4568 परिवारों को बीजों का वितरण कर चुकी है।

दैनिक भास्कर सागर 11-07-2020

संस्था... घर की बगिया प्रोजेक्ट के तहत सब्जियों के बीज बांटे, सैनिटाइजर जल भी दिया

सागर | विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया द्वारा एकता कॉलोनी में घर की बगिया प्रोजेक्ट के तहत करेला, लौकी, गिलकी और भिंडी आदि सब्जियों के बीजों का वितरण किया गया। साथ ही देवालय सैनिटाइजेशन के लिए सैनिटाइजर जल भी दिया गया। मुख्य सहायक अनुराग विश्वकर्मा एवं जवाहर लाल चौधरी ने कॉलोनीवासियों को घरेलू खाद निर्मित कर रेत, खाद एवं मिट्टी के आनुपातिक सम्मिश्रण से जैविक सब्जी उगाने की विधि बताई। आभार दिनेंद्र पांडे ने माना।

नवदुनिया भोपाल, शनिवार 11 जुलाई, 2020

एकता कॉलोनी में बांटे सब्जियों के बीज

सागर। शहर की सामाजिक समाजसेवी संस्था विचार ने संस्थापक कपिल मलैया ने एकता कॉलोनी में घर की बगिया प्रोजेक्ट अंतर्गत सब्जियों के बीज वितरित किए। इस दौरान करेला, लौकी, गिलकी और भिंडी की स्वास्थ्यवर्धक सब्जियों के बीजों का वितरण किया और देवालय सैनिटाइजेशन के लिए सैनिटाइजर जल भी निश्शुल्क दिया गया। मुख्य सहायक अनुराग विश्वकर्मा एवं जवाहर लाल चौधरी ने दिनेंद्र पाण्डे और अन्य कॉलोनी वासियों को घरेलू खाद निर्मित कर रेत, खाद एवं मिट्टी के आनुपातिक सम्मिश्रण से जैविक सब्जी उगाने की विधि बताई। (नप्र)

सागर, देशबन्धु। सागर, 11 जुलाई 2020, शनिवार

विचार संस्था ने कॉलोनी में बांटे सब्जियों के बीज

सागर, देशबन्धु। शहर की सामाजिक समाज सेवी संस्था विचार ने संस्थापक कपिल मलैया के निर्देशानुसार एकता कॉलोनी में घर की बगिया प्रोजेक्ट अंतर्गत करेला, लौकी, गिलकी और भिंडी की स्वास्थ्यवर्धक सब्जियों के बीजों का वितरण किया और देवालय सैनिटाइजेशन हेतु सैनिटाइजर जल भी निःशुल्क प्रदान किया मुख्य सहायक अनुराग विश्वकर्मा एवं जवाहरलाल चौधरी ने समाजसेवी दिनेंद्र पाण्डे और अन्य कॉलोनीवासियों को घरेलू खाद निर्मित कर रेत, खाद एवं मिट्टी के आनुपातिक सम्मिश्रण से जैविक सब्जी उगाने की विधि बताई।

अतुल्य भारत सागर-सिटी

विचार संस्था ने कॉलोनी में बांटे सब्जियों के बीज

सागर। शहर की सामाजिक समाज सेवी संस्था विचार ने संस्थापक कपिल मलैया के निर्देशानुसार एकता कॉलोनी में घर की बगिया प्रोजेक्ट अंतर्गत करेला, लौकी, गिलकी और भिंडी की स्वास्थ्यवर्धक सब्जियों के बीजों का वितरण किया और देवालय सैनिटाइजेशन हेतु सैनिटाइजर जल भी निशुल्क प्रदान किया मुख्य सहायक अनुराग विश्वकर्मा एवं जवाहर लाल चौधरी ने समाजसेवी दिनेंद्र पाण्डे और अन्य कॉलोनी वासियों को घरेलू खाद निर्मित कर रेत, खाद एवं मिट्टी के आनुपातिक सम्मिश्रण से जैविक सब्जी उगाने

पत्रिका patrika.com

सागर, शनिवार, 11 जुलाई, 2020

कॉलोनी में बांटे सब्जियों के बीज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. शहर की सामाजिक समाज सेवी संस्था विचार ने एकता कॉलोनी में घर की बगिया प्रोजेक्ट अंतर्गत करेला, लौकी, गिलकी और भिंडी की स्वास्थ्यवर्धक सब्जियों के बीजों का वितरण किया। इसके साथ देवालय के लिए सेनेटाइज का वितरण किया। सेनिटाइज जल भी निःशुल्क प्रदान किया। मुख्य सहायक अनुराग विश्वकर्मा, जवाहर लाल चौधरी और समाजसेवी दिनेंद्र पाण्डे ने कॉलोनी वासियों को घरेलू खाद निर्मित कर रेत, खाद एवं मिट्टी के आनुपातिक सम्मिश्रण से जैविक सब्जी उगाने की विधि बताई।

विचार संस्था ने बांटे बीज

दैनिक भास्कर सागर 03-07-2020

वितरण... मंदिरों में 120 लीटर सैनिटाइजर जल वितरित किया

सागर | विचार संस्था ने 290 लीटर सैनिटाइजर जल वितरित किया। जिसमें 120 लीटर सैनिटाइजर जल श्री [illegible] देवी मंदिर, राजीव गांधी पार्क [illegible], श्री देव [illegible] मंदिर [illegible], श्री माता दरबार [illegible] के पुजारियों को दिया। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि अभी तक संस्था 1904 राशन किट, 8597 लीटर सैनिटाइजर जल और 3105 मास्क के अलावा कोरोना से बचाव की होम्योपैथिक दवा की 504 शीशी निःशुल्क बांट चुकी है।

मीडिया कवरेज

सागर हरिभूमि रविवार 26 जुलाई 2020

मानवता की रक्षा पेड़-पौधे लगाने से ही संभव है: मलैया

विचार संस्था ने 1866 परिवारों को नर्सरी बैग उपलब्ध कराए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

विचार संस्था द्वारा घर-घर जाकर नर्सरी बैग उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिसका उद्देश्य घरों में उपयोग होने वाले फलों से वृक्ष बनाना है इसके लिए परिवारों को बैग उपलब्ध कराते हुए संस्था द्वारा जानकारी और समझाइश दी जा रही है।

इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में लगाने को कहा जा रहा है। बीज लगाने की विधि में पॉलीथिन में एक-एक तिहाई मिट्टी, कच्ची खाद और रेत डालने की विधि बताई जा रही है। आम का बीज, जामुन, चीकू, अनार, अमरूद, नींबू, आमला, जैसे फलदार और पीपल, बरगद, कदम, नीम, जैसे पौधों को लगाने की अपील की जा रही है। संस्था द्वारा इस योजना के छठवें दिन भगवान गंज वार्ड, कंपाउंडर का बगीचा गुरु गोविंद सिंह वार्ड, गुजराती बाजार, तिरुपतिपुरम, गल्ला मंडी जाकर 65 परिवारों को नर्सरी बैग के सेट वितरित किए गए। अभी तक संस्था 1866 परिवारों को नर्सरी बैग के सेट का वितरण कर चुकी है।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि स्वयं अपने हाथ से बीज लगाकर पेड़ों उगाना एक अलग ही अनुभव होता है। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि हर व्यक्ति पेड़ लगाने की इच्छा रखता है, परंतु इसे कठिन कार्य समझ कर डालता है, जबकि पेड़ लगाना अत्यंत सरल कार्य है। संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने सभी परिवारों से पौधे लगाने की अपील की है।

'घर की बगिया' से 5 हजार परिवारों को हरी सब्जी उपलब्ध होगी

घर की बगिया, लहलहाने लगी है...

सागर, अग्निबाण संवाददाता।

हमारी दैनिक जरुरतों की खाद्य सामग्रियों में सब्जियों का एक विशेष स्थान है। कोरोना काल के चलते संक्रमण को लेकर लोगों के मन मे भय व्याप्त है जिसके चलते बाजारों से मिलने वाली सब्जियों को कम खरीदा जा रहा है इन्ही सब विषयों को ध्यान में रखकर आत्मनिर्भर भारत के तहत विचार संस्था ने ञ्घर की बगियाञ् योजना की शुरुआत की जिसे संचालित कर योजना को सफल बनाने में 1 माह से ज्यादा का वक्त लगा, अब यह योजना फलने फूलने लगी है। योजना के संचालन में घर के गमलों, बगिया, आंगन में पौष्टिक कीटनाशक छिड़काव रहित सब्जियों को घर पर उगाने की योजना पर कार्य किया गया इस योजना के अंतर्गत टमाटर, लौकी, तुरई, भिंडी, भटा, करेला, आदि बीजों को मोहल्ला विकास

योजना अंतर्गत बनाई टीमों से घर-घर जाकर नि:शुल्क वितरण कराया गया। संस्था द्वारा 42 मोहल्ला टीमों की मदद से 5117 परिवारों को बीजों का वितरण किया गया। योजना का उद्देश्य अपने आंगन, बगिया, गमलों से स्वच्छ और पौष्टिक सब्जियों को उगाना है। उगाने वाली सब्जियों की विधि में संस्था द्वारा बनवाई जैविक खाद के उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही सब्जियों को गमले में उगाने हेतु एक तिहाई रेत, एक तिहाई मिट्टी , खाद डालकर बीज को लगाने की विधि बताई गई। बीज लगाने के लिए संस्था के सदस्यों की मदद समय समय पर ली जाती रही है। घर की बगिया योजना के क्रियान्वयन के लिये, दिये गये बीज के बाद परिवार के सदस्यों के नाम, फोन नम्बर लिख जाते हैं जहां उन परिवारों द्वारा उगाये पौधों पर संस्था द्वारा नजर रखी जा रही है। योजना को लेकर वर्तमान गतिविधियों पर नजर दौड़ायें तो घर मे लगाए इन बीजों ने बड़ी-बड़ी बेलों का रूप ले लिया है, बेलों में फूल लगना शुरू हो गए हैं, आने वाले एक से दो हफ्तों में फल लगना शुरू हो जाएंगे जिसके द्वारा 5 हजार से ज्यादा घरों में कीटनाशक और संक्रमित रहित सब्जियों उगाने की विचार संस्था की मुहिम सफल हो जाएगी।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 26-07-2020

विचार संस्था ने 1866 परिवारों को दिए नर्सरी बैग

लोगों से अपील फलों के बीज लगाकर पौधे बनाएं

सागर| विचार संस्था द्वारा घर-घर जाकर निःशुल्क नर्सरी बैग उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस योजना के तहत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में लगाने को कहा जा रहा है।

बीज लगाने की विधि भी सिखाई जा रही है। जब यह फलदार पेड़ बड़े हो जाएंगे तो 1 वर्ष पश्चात इनका वृक्षारोपण किया जाएगा। संस्था द्वारा शनिवार को भगवानगंज वार्ड, कंपाउंडर का बगीचा, गुरु गोविंद सिंह वार्ड, गुजराती बाजार, तिरुपतिपुरम, गल्ला मंडी में नर्सरी बैग के सेट वितरित किए गए। अभी तक संस्था 1866 परिवारों को नर्सरी बैग का वितरण कर चुकी है।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि स्वयं अपने हाथ से बीज लगाकर पेड़ उगाने का एक अलग ही अनुभव होता है। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि हर व्यक्ति पेड़ लगाने की इच्छा रखता है परंतु इसे कठिन कार्य समझ कर टाल देता है जबकि पेड़ लगाना अत्यंत सरल कार्य है।

संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने सभी परिवारों से पौधे लगाने की अपील की है।

दैनिक भास्कर 23-Jul-2020 सागर Page 2

घर की बगिया योजना के तहत दिए गए थे मुफ्त बीज, निकलने लगे फूल

सागर| विचार संस्था की घर की बगिया योजना के तहत घर के गमलों, बगिया, आंगन में टमाटर, लौकी, तुरई, भिंडी, भटा, करेला, आदि बीज लगवाए गए हैं। मोहल्ला विकास योजना के तहत बनाई टीमों से घर-घर जाकर निशुल्क वितरण कराया गया।

संस्था द्वारा 42 मोहल्ला टीमों की मदद से 5117 परिवारों को बीजों का वितरण किया गया। योजना का उद्देश्य अपने आंगन, बगिया, गमलों से स्वच्छ और पौष्टिक सब्जियों को उगाना है। उगाने वाली सब्जियों की विधि में संस्था द्वारा बनवाई जैविक खाद के उपयोग पर जोर दिया गया है।

घर की बगिया योजना के क्रियान्वयन के लिए, दिए गए बीज के बाद परिवार के सदस्यों के नाम, फोन नंबर लिख जाते हैं जहां उन परिवारों द्वारा उगाए पौधों पर संस्था द्वारा नजर रखी जा रही है। इसी का नतीजा है कि घर मे लगाए इन बीजों ने बड़ी-बड़ी बेलों का रूप ले लिया है। बेलों में फूल लगना शुरू हो गए हैं। आने वाले कुछ दिनों में फल-सब्जी लगना शुरू हो जाएगी।

प्रदेश टुडे सागर, गुरुवार, 23 जुलाई 2020

विचार संस्था की पहल : अब घर की बगिया लहलहाने लगी

प्रदेश टुडे संवाददाता, सागर

हमारी दैनिक जरूरतों की खाद्य सामग्रियों में सब्जियों का एक विशेष स्थान है। कोरोना काल के चलते संक्रमण को लेकर लोगों के मन मे भय प्याप्त है जिसके चलते बाजारों से मिलने वाली सब्जियों को कम खरीदा जा रहा है। इन्हीं सब विषयों को ध्यान में रखकर आत्मनिर्भरता को सात्मसात करने के उद्देश्य से विचार संस्था ने 'घर की बगिया' योजना की शुरुआत की जिसे संचालित कर योजना को सफल बनाने में 1 माह से ज्यादा का वक्त लगा, अब यह योजना फलने फूलने लगी है। योजना के संचालन में घर के गमलों, बगिया, आंगन में पौष्टिक कीटनाशक छिड़काव रहित सब्जियों को घर पर उगाने की योजना पर कार्य किया गया। इस योजना के अंतर्गत टमाटर, लौकी, तुरई, भिंडी, भटे, करेला, आदि बीजों को मोहल्ला विकास योजना अंतर्गत बनाई टीमों से घर-घर जाकर निःशुल्क वितरण कराया गया। संस्था द्वारा 42 मोहल्ला टीमों की मदद से 5117 परिवारों को बीजों का वितरण किया गया। योजना का उद्देश्य अपने आंगन, बगिया, गमलों से स्वच्छ और पौष्टिक सब्जियों को उगाना है। उगाने वाली सब्जियों की विधि में संस्था द्वारा बनवाई जैविक खाद के उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही सब्जियों को गमले में उगाने हेतु एक तिहाई रेत, एक तिहाई मिट्टी, खाद डालकर बीज को लगाने की विधि बताई गई।

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष, मो. 9009780020
FB : @KapilMalaiyaOriginal

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

आकांक्षा मलैया
सचिव, मो. 9165422888
FB : @AkankshaMalaiyaOriginal

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

पता - मालगोदाम रोड, मारूति शोरूम के ऊपर, तिलकगंज वार्ड, सागर (म.प्र.)
हेल्पलाइन नं. 6262060333, 07582-224488

हम सब मिलकर कोरोना से लड़ेंगे

निवेदन

इस समय कोई भी सामाजिक संस्था जनहित के जो भी कार्य करे उसमें सर्वप्रथम अपने मोहल्ले वासियों और आसपास नजर आने वाले वो लोग जो आपसे मदद की उम्मीद रखते हैं, उनकी हर संभव मदद करें। आवश्यकता अनुसार मददगीरों की मदद करें। सभी को जागरूक करें कि अपने घरों से ना निकले। बहुत आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें। आपके आसपास अगर कोई ऐसा परिवार है जिसे पैसों के कारण खाने पीने की कमी हो उसे मोहल्ले वाले मिलकर सहयोग करें। याद रखें ऐसें लोगों के लिए आप भगवान का रूप होंगे और यही सबसे बड़ी धर्म आराधना होगी। विचार संस्था से जो भी सहयोग की अपेक्षा हो जरूर बताइए।

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष, विचार संस्था

आपसे निवेदन है की अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti
Bank- State Bank of India
Account No.- 37941791894
IFSC code- SBIN0000475
Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi
आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए
QR कोड को स्कैन करें.

BHIM UPI
VICHAR SAMITI
Pay With Any App
G Pay Paytm PhonePe
WhatsApp amazon
150+ Apps
Powered By BharatPe

नगद दान देने हेतु या फिर दान सामग्री देने हेतु इस नंबर पर संपर्क करें - +91 98938 00638

निवेदन है कि विचार संस्था सभी दानदाताओं के नाम व तस्वीर विचार मासिक पत्रिका में प्रकाशित कर रही है। इसलिए कृपया कर दान करने के पश्चात अपना नाम, फ़ोटो व फ़ोन नंबर इस नंबर पर वॉट्सऐप करें - 9165422888

‖विचार संस्था‖
(स्थापना वर्ष 2003)

विचार की दैनिक रिपोर्ट व गतिविधियों की जानकारी
के लिए देखें हमारा फेसबुक पेज :
@vicharsanstha

व्हाट्सएप पर जानकारी पाने के लिए इस नंबर को
सेव करें व इस पर अपना नाम लिखकर व्हाट्सएप
मैसेज करें : +91 9575737475

जनहितैषी और जनकल्याणकारी मुद्दों
को यूट्यूब चैनल व फेसबुक पर देखें
sanstha.vichar@gmail.com

Vichar Samachar- विचार समाचार
Vichar Samachar

हमारे सागर सुधार - सागर विकास अभियान
से जुड़ने के लिए संपर्क करें :
नितिन पटैरिया : +91 9009780042

विचार की अन्य गतिविधियों से जुड़ने के लिए संपर्क करें :
आकांक्षा मलैया : +91 9165422888